



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 579 ]  
No. 579 ]

नई दिल्ली, बुध्दिवार, दिसम्बर 4, 2003/अग्रहायण 13, 1925  
NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 4, 2003/AGRAHAYANA 13, 1925

वित्त मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर, 2003

**सा.का.नि. 922(अ).—**केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 642 के साथ पठित उस अधिनियम की धारा 81 की उपधारा (1क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

**1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ—**

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम असूचीबद्ध पब्लिक कंपनी (अधिमानी आबंटन) नियम, 2003 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

**2. लागू होना—**

ये नियम साधारण शेषों, पूर्णतः संपरिवर्तनीय डिबेंचरों, भागतः संपरिवर्तनीय डिबेंचरों या ऐसी किन्हीं अन्य वित्तीय लिखतों के, जो बाद की तारीख को साधारण शेषों में संपरिवर्तित या परिवर्तित हो जाएंगे, अधिमानी निर्गमन के संबंध में सभी असूचीबद्ध पब्लिक कंपनियों को लागू होंगे।

**3. परिभाषाएं—**

(1) “अधिमानी आबंटन” के अंतर्गत किसी कंपनी द्वारा कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 81 की उपधारा (1क) के अधीन पारित संकल्प के अनुसरण में किए गए अधिमानी आधार पर और/या प्राइवेट नियोजन/स्थानन के माध्यम से शेषों का निर्गमन और संप्रवर्तकों और उनके नातेदारों को लोक निर्गमन में या अन्यथा शेषों का निर्गमन भी है।

(2) “संप्रवर्तक” से अभिप्रेत है—

- (क) ऐसा व्यक्ति या ऐसे व्यक्ति जिनका कंपनी पर संपूर्ण नियंत्रण है; और
- (ख) ऐसा व्यक्ति या ऐसे व्यक्ति जो स्वयं संप्रवर्तक हैं।

स्पष्टीकरण : जहां कंपनी का कोई संप्रवर्तक कोई निगमित निकाय है वहां उस निगमित निकाय के संप्रवर्तक कंपनी के संप्रवर्तक समझे जाएंगे ।

(3) “नियंत्रण” के अंतर्गत निदेशकों के बहुमत को नियुक्त करने या प्रत्यक्षतः या परोक्षतः व्यक्ति रूप से या संयुक्त रूप से कार्य करने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा प्रयोक्तव्य प्रबंध या नीति संबंधी विनिश्चयों पर नियंत्रण करने का, जिसके अंतर्गत उनके शेयर धारण या प्रबंध अधिकारों या शेयर धारकों के करार या मतदान करारों या किसी अन्य रीति के कारण नियंत्रण का अधिकार भी है, अधिकार भी होगा ।

#### 4. विशेष संकल्प--

किसी कंपनी द्वारा अधिमानी आधार पर शेयरों का कोई भी निर्गमन तब तक नहीं किया जा सकता जब तक वह उसके संगम अनुच्छेदों द्वारा प्राधिकृत न हो और जब तक साधारण अधिवेशन में उसके सदस्यों द्वारा निदेशक बोर्ड को अधिमानी शेयर निर्गमित करने के लिए प्राधिकृत करने वाला विशेष संकल्प पारित न कर दिया हो । विशेष संकल्प पर बारह मास की अवधि के भीतर कार्रवाई की जाएगी ।

#### 5. कीमत निर्धारण--

जहां आबंटित शेयरों के लिए आवेदन करने या उन्हें प्राप्त करने के विकल्प के साथ अधिमानी आधार पर वारंट निगमित किए जाते हैं वहां निगमित करने वाली कंपनी पहले पारिणामिक शेयरों की कीमत निर्धारित करेगी ।

#### 6. प्रकटन--

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 173 द्वारा यथा अपेक्षित साधारण अधिवेशन के लिए सूचना के स्पष्टकारक कथन में निम्नलिखित विशिष्टियां अंतर्विष्ट होंगी :

- (क) वह कीमत या कीमत पट्टी जिसपर आवंटन प्रस्तावित है ;
- (ख) सुसंगत तारीख जिसके आधार पर कीमत निकाली गई है ;
- (ग) अधिमानी प्रस्थापना के माध्यम से निर्गमन के उद्देश्य ;
- (घ) ऐसे वर्ग या वर्गों के व्यक्ति जिन्हें आवंटन किए जाने का प्रस्ताव है ;
- (ङ) प्रस्थापना की प्रतिश्रुति करने की संप्रवर्तकों/निदेशकों/मुख्य प्रबंध व्यक्तियों का आशय ;
- (च) प्रस्थापना से पूर्व या उसके पश्चात् संप्रवर्तकों के शेयरधारण का पैटर्न और शेयरों के अन्य वर्ग ;
- (छ) प्रस्तावित समय जिसके भीतर आवंटन पूरा किया जाएगा ;
- (ज) क्या नियंत्रण में परिवर्तन आशयित या प्रत्याशित है ।

#### 7. संपरीक्षा प्रमाणपत्र--

शेयरों/वारंटों/पूर्णतः संपरिवर्तनीय डिबेंचरों/भागतः संपरिवर्तनीय डिबेंचरों या संपरिवर्तन के विकल्प के साथ अन्य वित्तीय लिखतों के प्रत्येक निर्गमन की दशा में, निर्गमन करने वाली कंपनी के संपरीक्षक/व्यवसायगत कंपनी सचिव यह प्रमाणित करेंगे कि उक्त लिखतों का निर्गमन इन नियमों के अनुसार किया जा रहा है । ऐसा प्रमाणपत्र प्रस्तावित निर्गमन पर विचार करने के लिए बुलाए गए शेयरधारकों के अधिवेशन के समक्ष रखा जाएगा ।

[फ़. सं. 1/4/2003-सीएल-वी]

राजीव महर्षि, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF FINANCE**  
**(Department of Company Affairs)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 4th December, 2003

**G.S.R. 922(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1A) of section 81 of the Companies Act, 1956 read with section 642 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

**1. Short title and commencement.—**

- (1) These rules may be called Unlisted Public Companies (Preferential Allotment) Rules, 2003
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

**2. Applicability.—**

These rules shall be applicable to all unlisted public companies in respect of preferential issue of equity shares, fully convertible debentures, partly convertible debentures or any other financial instruments, which would be convertible into or exchanged with equity shares at a later date.

**3. Definitions.—**

- (1) "Preferential Allotment" includes issue of shares on preferential basis and/or through private placement made by a company in pursuance of a resolution passed under sub-section (1A) of section 81 of the Companies Act, 1956 and issue of shares to the promoters and their relatives either in public issue or otherwise.
- (2) "Promoter" means —
  - (a) the person or persons who are in over-all control of the company; and
  - (b) the person or persons who hold themselves as promoters.

**Explanation:** Where a promoter of a company is a body corporate, the promoters of that body corporate shall also be deemed to be promoters of the company.

- (3) "control" shall include the right to appoint majority of the directors or to control the management or policy decisions exercisable by a person or persons acting individually or in concert, directly or indirectly, including by virtue of their shareholding or management rights or shareholders agreements or voting agreements or in any other manner.

**4. Special Resolution.-**

No issue of shares on a preferential basis can be made by a company unless authorized by its articles of association and unless a special resolution is passed by the members in a General Meeting authorizing the Board of Directors to issue the same. The special resolution shall be acted upon within a period of 12 months.

**5. Pricing.-**

Where warrants are issued on a preferential basis with an option to apply for and get the shares allotted, the issuing company shall determine before hand the price of the resultant shares.

**6. Disclosures.-**

The explanatory statement to the notice for the general meeting as required by section 173 of the Companies Act, 1956 shall contain the following particulars:

- (a) the price or price band at which the allotment is proposed;
- (b) the relevant date on the basis of which price has been arrived at;
- (c) the object/s of the issue through preferential offer;
- (d) the class or classes of persons to whom the allotment is proposed to be made;
- (e) intention of promoters/directors/key management persons to subscribe to the offer;
- (f) shareholding pattern of promoters and others classes of shares before and after the offer;
- (g) proposed time within which the allotment shall be completed;
- (h) whether a change in control is intended or expected.

**7. Audit Certificate.-**

In case of every issue of shares/warrants/fully convertible debentures/partly convertible debentures or other financial instruments with conversion option, the statutory auditors of the issuing company / company secretary in practice shall certify that the issue of the said instruments is being made in accordance with these Rules. Such certificate shall be laid before the meeting of the shareholders convened to consider the proposed issue.

[F. No. 1/4/2003-CL-V]

RAJIV MEHRISHI, Jt. Secy.